

प्रेषक,

डा० हेमलता डौडियाल
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
उद्योग निदेशालय,
उत्तराखण्ड देहरादून।

औद्योगिक विकास अनुभाग-2

देहरादून दिनांक: 14 जनवरी, 2010

विषय: वित्तीय वर्ष 2009-10 के अन्तर्गत उद्योग निदेशालय हेतु बचनबद्ध मदों में प्रथम अनुपूरक अनुदान की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपयुक्त विषयक वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या 05/XXVII(1)/2010 दिनांक 07 जनवरी, 2010 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2009-10 हेतु आयोजनेतर पक्ष के अन्तर्गत उद्योग निदेशालय के बचनबद्ध मदों में प्रथम अनुपूरक अनुदानान्तर्गत प्राविधानित समस्त धनराशि निम्न विवरणानुसार ₹0 98.00 लाख (₹0 अठ्ठानबे लाख मात्र) की धनराशि व्यय किये जाने हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

03-अधिष्ठान व्यय :-

कोड/मद का नाम	स्वीकृत की जा रही धनराशि (हजार ₹0 में)
01-वेतन	8300
09-विद्युत देय	150
13-टेलीफोन पर व्यय	140
15-गाड़ियों का अनुस्क्षण और पेट्रोल आदि की खरीद	800
27-शिक्षित व्यय प्रतिपूर्ति	410
योग-	9800
(₹0 अठ्ठानबे लाख मात्र)	

2- वितरण अधिकारी द्वारा उक्त धनराशि का मासिक व्यय विवरण बी0एम0-8 के प्रपत्र पर रखा जायेगा और पूर्व के माह का व्यय विवरण उक्त अधिकारी द्वारा अनुवर्ती माह की 5 तारीख तक उक्त अनुदान के नियंत्रक अधिकारी को बजट मैनुअल के अध्याय-13 के प्रस्तर-116 की व्यवस्थानुसार प्रेषित किया जायेगा और प्रस्तर-128 की व्यवस्थानुसार उक्त अनुदान के नियंत्रक अधिकारी द्वारा पूर्ववर्ती माह का संगत व्यय विवरण अनुवर्ती माह की 25 तारीख तक वित्त विभाग को प्रेषित किया जायेगा तथा नियमित रूप से सरकार/शासन को उक्त विवरण प्रेषित नहीं किया जाता है तो उत्तरदायी अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करने हेतु सक्षम स्तर को अवगत कराया जायेगा। प्रशासनिक विभाग प्रस्तर-130 के अधीन उक्त आवंटित धनराशि के व्यय का नियंत्रण करेंगे।

3- स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 515/XXVII(1)/2009 दिनांक 28 जुलाई, 2009 में इगित शर्तों/प्रतिबन्धों के अधीन किया जायेगा।

- 4- स्वीकृत धनराशि का पूर्ण उपयोग दिनांक 31 मार्च 2010 तक कर लिया जायेगा। यदि उक्त तिथि तक कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उस धनराशि को उक्त तिथि तक शासन को समर्पित कर दिया जायेगा।
- 5- व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। इस संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/अन्य आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। व्यय मात्र उन्हीं मदों में किया जाय, जिन मदों में धनराशि स्वीकृत की जा रही है। यह आशंका किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने में बजट मैन्युअल/वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों का उल्लंघन होता हो। धनराशि व्यय के उपरान्त व्यय की गई धनराशि का मासिक व्यय विवरण निर्धारित प्रपत्र पर नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराया जाये।
- 6- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के अनुदान संख्या-23 के मुख्य लेखा शीर्षक-2851-ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग, 102-लघु उद्योग, 00-आयोजनेतर, 03-अधिष्ठान व्यय अन्तर्गत प्रस्तर-1 में उल्लिखित प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।
- 7- यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 05/XXVII(1)/2010 दिनांक 07 जनवरी 2010 में इंगित निर्देशानुसार निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीया

(डा० हेमलता डोंडियाल)
अपर सचिव।

पृष्ठांक संख्या: 82(1)/VII-II-10/89-उद्योग/2006 तदु दिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1 महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2 निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी।
- 3 वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून/कोषाधिकारी देहरादून।
- 4 अपर सचिव वित्त, उत्तराखण्ड शासन।
- ✓ 5 निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 6 वित्त अनुभाग-2
- 7 गार्ड फाईल।

आज्ञा से

(डा० हेमलता डोंडियाल)
अपर सचिव।